Date

पाठ - 1

हम भारत के भरत

कठिन शब्द

1. व्रत
2. पुरखों
3. ज्वालाओं
4. श्रम
5. हिन्दुस्तान
6. सौगंध
7. चौकस
8. पन्ने
9. युद्ध
10. चिनगारियाँ

PAGE NO.:
DATE / /20

पाठ - 1

शब्दार्थ

1.	संतान	औलाद
2.	सौगात	भेंट
3.	पुरखों	पूर्वजों
4.	दहकना	तपना
5.	समर	युद्ध
6.	अचरज	आश्चर्य
7.	व्रत	उपवास
8.	चौकस पहरेदारी	सावधानी के साथ रखवाली कर

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

पाठ - 1

हम भारत के भरत

1. हम भारत के .... पुरखों की सौगात है।

अर्थ: कवि कहता है कि हम भारतवासी सम्राट दुष्यंत के प्रतापी पुत्र भरत के समान शक्तिशाली है। हम शेरों के बच्चों से खेलने का साहस रखते हैं। हमारे हिन्दुस्तान के समान दुनिया का कोई भी देश नही है। हमारे लिए भारत की भूमि में जन्म लेना बड़े ही गौरव की बात है। हमें साहस और वीरता जैसे गुण अपने पूर्वजों से विरासत में प्राप्त हुए है।

2. बड़ी - बड़ी ज्वालाओं .... बढ़कर हिन्दुस्तान से।

अर्थ: कवि बच्चों की वीरता का वर्णन करते हुए कहता है कि हम छोटी - छोटी चिंगारी बड़ी - बड़ी ज्वालाओं का डटकर मुकाबला करती है। यहाँ बगीचों में फूल से पहले काँटे आते है। हम कभी अंगारे बनकर दहकते है तो कभी फूलों के समान खिलकर खुशियाँ फैलाते है। हम अपने देश के लिए शान से जीते और मरते है। संसार में कोई भी देश हिन्दुस्तान से बढ़कर नही है।

3. कूद समर में आगे .... बढ़कर हिन्दुस्तान से।

अर्थ: कवि कहता है कि जब हम गर्जना करते हुए युद्ध भूमि में लड़ने के लिए आए तब हमारे पराक्रम के सामने सारा संसार आश्चर्यचकित रह गया। हम सदियों से इतिहास बनाते आए है। अपनी मातृभूमि के लिए त्याग और बलिदान की भावना हमारे जीवन की प्रतिज्ञा है। यहाँ खानों से अमूल्य रत्न और हीरे निकलते है। सारे संसार मे कोई भी देश हिन्दुस्तान से बढ़कर नही है।

Scanned with CamScanner

PAGE NO.:
DATE / /200

5. यह धरती जो . . . . बढ़कर हिन्दुस्तान

अर्थ- कवि कहता है कि यह भारतभूमि हमारी मातृ... जो हमें प्राणों से भी प्यारी है। इसकी रक्षा ... हम सब बच्चों की जिम्मेदारी है। हमारे सामने ... की रक्षा और विकास करने की कठिन परीक्षा ... समय है। अतः हम खूब मेहनत करने का संकल्प ... जिस माँ का दूध पिया है उसकी कसम खाकर ... अपने देश की रक्षा के लिए तैयार रहें। इस ... सी आयु में ही मेहनत और बलिदान का मतलब ... समझ ले। इस संसार में कोई भी देश ऐसा नहीं ... हिन्दुस्तान से बढ़कर हो।

पाठ - 1

हम भारत के भरत

सोचें और बताएँ : (लघु प्रश्नोत्तर)

प्र०1 भरत किससे खेलते थे?
उत्तर भरत शेर के बच्चों के साथ खेलते थे।

प्र०2 पुरखों की सौगात क्या है?
उत्तर पुरखों की सौगात साहस और वीरता है।

प्र०3 हमें जान से प्यारी क्या है?
उत्तर हमें जान से प्यारी भारत माता है।

Scanned with CamScanner

दीर्घ प्रश्नोत्तर

प्र०1 हमारे लिए सबसे अधिक गर्व की क्या बात है?
उत्तर हिंदुस्तान की मिट्टी में जन्म लेना सबसे अधिक गर्व की बात है।

प्र०2- फुलवारियों से हमें क्या-क्या मिलता है?
उत्तर- फुलवारियों से हमें पहले काँटे व बाद में फूल मिले

प्र०3- कविता में हमारे कौन से व्रतों की बात कही गई है?
उत्तर- कविता में हमारे त्याग और बलिदान आदि व्रतों की बात कही गई है।

प्र०4- बालकों की क्या जिम्मेदारी है?
उत्तर- मातृभूमि की सावधानी के साथ रखवाली करना बालकों की जिम्मेदारी है।

प्र०5- इतिहास के पन्नों में लिखी हुई कौनसी बातें हैं?
उत्तर हमारी वीरता और साहस के उदाहरण इतिहास के पन्नों पर लिखे हैं।

पाठ - ९
मेहनत की कमाई

कठिन शब्द

1. व्यापार
२. गर्दन
३. क्रोध
४. दर्द
5. भयंकर
6 निर्लज्ज
7. मिन्नतें
8 विवश

Scanned with CamScanner

पाठ - २

शब्दार्थ

1. लापरवाह - असावधान
2. विवश - मजबूर
3. मिन्नत - विनती
4. झटपट - तुरत - फुरत
5. क्रोध - गुस्सा
6. मेहनत - परिश्रम

Scanned with CamScanner

पाठ - 2

सोचें और बताएँ : लघु प्रश्नोत्तर।

प्र०1 पिता ने बेटे को बुलाकर क्या कहा ?
उत्तर पिता ने बेटे को बुलाकर कुछ कमाकर लाने को कहा।

प्र०2 बालक सरलता से एक रुपया कुएँ में क्यों फेंक देता था ?
उत्तर बालक सरलता से एक रुपया कुएँ में इसलिए फेंक देता था क्योंकि वह उसकी कमाई का नही था।

प्र०3 बालक ने अंतिम दिन चवन्नी कुएँ में क्यों नही फेंकी ?
उत्तर बालक ने अंतिम दिन चवन्नी कुएँ में इसलिए नही फेंकी क्योंकि वह उसकी कमाई की थी। उसे कमाने के लिए उसने कठोर परिश्रम किया था।

Scanned with CamScanner

पाठ 2

दीर्घ प्रश्नोत्तर

प्र०1 बालक अंतिम दिन मजदूरी करने पर नि[illegible]
हुआ ?
उत्तर बालक अंतिम दिन मजदूरी करने पर [illegible]
इसलिए हुआ क्योंकि उसके पिता ने उसे
बाहिन को घर से बाहर भेज दिया था।
सुध लेने वाला व पैसे देने वाला कोई [illegible]

प्र०2 बालक ने चार आने किस प्रकार कमाएँ ?
उत्तर बालक ने एक सेठ का सामान उसके घर
चार आने कमाए।

प्र०3 "बेटा दिन भर सुस्त बैठा रहा। उसकी आँखें
बहते रहे।" बेटा उदास क्यों बैठा था ?
उत्तर बेटा इसलिए उदास बैठा था क्योंकि घर [illegible]
सुध लेने वाला कोई नही था और पिता ने [illegible]
दी थी कि आज कुछ कमाकर नही लाया तो [illegible]
नही मिलेगा।

[illegible]4 "सेठ की सूझ-बूझ ने बालक का जीवन बदल दि[illegible]
कैसे ? समझाइये।
[illegible] सेठ का बेटा आलसी, लापरवाह और निर्लज्ज था।
अपने बेटे को परिश्रमी बनाना चाहता था। अतः उस[illegible]

Scanned with CamScanner

बेटे को कमाकर लाने के लिए कहा। लड़के ने पहले तो उसकी माँ से फिर बहिन से एक रुपया माँगकर दिया, किंतु सेठ ने माँ-बेटी को बाहर भेज दिया। अतः विवश होकर वह बाजार में काम खोजने गया। तब एक सेठ ने उसे संदूक उठाकर घर पहुँचाने का काम दिया और परिश्रम करके चार आने कमाए। इस घटना से वह परिश्रम का महत्व जान गया। इस तरह से सेठ की सूझबूझ ने बालक का जीवन बदल गया।

प्र०5. अनुभवी पिता ने पत्नी और बेटी को बाहर क्यों भेजा होगा? बताओ।

उत्तर अनुभवी पिता ने अनुमान लगा लिया होगा कि बेटा अपनी माँ और बहिन से पैसे माँगकर मुझे दे देता है। सेठ अपने बेटे को परिश्रम का महत्व सिखाना चाहता था। इसलिए उसने अपनी पत्नी और बेटी को बाहर भेज दिया।

प्र०6 बेटे की गर्दन, कमर और पैर क्यों दुखने लगे थे?

उत्तर सेठ के पुत्र ने पहले कभी परिश्रम नहीं किया था। भारी संदूक को कंधे पर रखकर पैदल दूर तक चलना, इतना कठिन परिश्रम जीवन में पहली बार किया था, इसलिए उसकी गर्दन, कमर और पैर दुखने लगे थे।

Scanned with CamScanner